पंजीयन क्रं. 06/09/01/04737/04

विचार मासिक पत्रिका

कुल पृष्ठ 24, वर्ष 4, अंक 42 | माह - सितंबर 2022, मूल्य - निःशुल्क

आपके विकास को समर्पित

॥विचार समिति॥

(स्थापना वर्ष 2003)

मंगलगिरी में वृक्षाबंधन

पदाधिकारी

कपिल मलैया
संस्थापक व अध्यक्ष
मो. 9009780020

सुनीता जैन
कार्यकारी अध्यक्ष
मो. 9893800638

सौरभ रांधेलिया
उपाध्यक्ष
मो. 8462880439

आकांक्षा मलैया
सचिव
मो. 9165422888

विनय मलैया
कोषाध्यक्ष, मो. 9826023692

नितिन पटैरिया
मुख्य संगठक, मो. 9009780042

अखिलेश समैया
मीडिया प्रभारी, मो. 9302556222

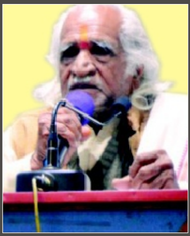

हरगोविंद विश्व
मार्गदर्शक

राजेश सिंघई
मार्गदर्शक

श्रीयॉश जैन
मार्गदर्शक

गुलझारीलाल जैन
मार्गदर्शक

प्रदीप रांधेलिया
मार्गदर्शक

अंशुल भार्गव
मार्गदर्शक

विचार समिति का मासिक प्रकाशन

विचार मासिक पत्रिका

वर्ष - 4, अंक - 42, सितंबर - 2022

संपादक

आकांक्षा मलैया

प्रबंधक व प्रकाशक

विचार समिति

स्वामित्व

विचार समिति

258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड,
आदिनाथ कार्स प्रा. लिमि.
के पीछे, सागर (म.प्र.)
पिन - 470002

Email: sanstha.vichar@gmail.com
Phone: 9575737475
07582-224488

मुद्रण

तरूण कुमार सिंघई, अरिहंत ऑफसेट
पारस कोल्ड स्टोरेज, बताशा गली,
रामपुरा वार्ड, सागर (म.प्र.)
पिन - 470002

इस अंक में

1. नारी जीवन से संबंधित समस्याओं को हल कर महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना 4
2. मंगलगिरी में 9000 वृक्षों को रक्षासूत्र बांधकर मनाया वृक्षाबंधन 7
3. हर घर तिरंगा : 15 अगस्त को समिति ने 1100 जगह किया झंडावंदन 11
4. विचार कोरोना वारियर्स सम्मानित 15
5. समिति पर्यावरण के क्षेत्र में अतुलनीय कार्य कर रही है : डॉ. संजय तिवारी 17
6. पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रकृति प्रेमी का हुआ सम्मान........................... 18
7. 'सुनो और सीखो' लर्निंग मॉडल पर आधारित कक्षायें पिछले एक माह से संचालित 19
8. गणेश चतुर्थी के अवसर पर गोबर से बनी भगवान गणेश की प्रतिमाएं भेंट की 20

मीडिया कवरेज :- 21

नारी जीवन से संबंधित समस्याओं को हल कर महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना

सौरभ रांधेलिया
उपाध्यक्ष
विचार समिति

मुझे आंतरिक परिवाद समिति के अशासकीय सदस्य पद पर मनोनीत किया गया। जिसका श्रेय विचार समिति को जाता है जो लगातार समाज उत्थान को आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। विचार इन परियोजनाओं में मोहल्ला विकास योजना, शिक्षा के लिए, पर्यावरण के लिए, स्वरोजगार की दिशा में महती भूमिका निभा रही है। कार्यरत हमारी टीम का प्रयास होगा नारी जीवन से संबंधित समस्याएं को हल कर महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना। सहज जीवन के लिए प्रेरित करना।

इस अधिनियम को लाने का उद्देश्य कार्यस्थल पर होने वाले लैंगिक उत्पीड़न को रोका जाना एवं पीड़ित को मुआवजा देना साथ ही विशाखा दिशा–निर्देशों को सांविधिक मान्यता प्रदान करना है।

कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न के खिलाफ भारतीय संविधान के तहत प्राप्त मौलिक अधिकार है एवं अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार समझौते में व्याप्त मान्यताओं का सीधे तौर पर उल्लंघन है। इससे निपटने के लिए लिए भारत सरकार द्वारा यह अधिनियम लाया गया। इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि 1992 में राजस्थान के जयपुर जनपद के अंतर्गत भतेरी गांव में एक महिला सामाजिक कार्यकर्ता भंवरी देवी द्वारा एक बाल विवाह को रोके जाने का प्रयास किया गया था और इससे क्षुब्ध असामाजिक तत्वों द्वारा उनके साथ गैंगरेप किया गया था। राजस्थान में कार्य कर रहे विशाखा नामक गैर सरकारी संगठन ने इस मुद्दे को सुप्रीम कोर्ट में रखा और अगस्त 1997 में सर्वोच्च न्यायालय ने विशाखा बनाम राजस्थान सरकार मामले में निर्णय देते हुए कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न से निपटने के लिए विशाखा गाइडलाइन जारी की।

विशाखा दिशा–निर्देश नियोजक जहां पर 10 से अधिक लोग कार्यरत हो, वहां आंतरिक परिवाद समिति का गठन करेगा। शिकायतकर्ता महिला को शिकायत के बाद प्रताड़ित नहीं किया जा सकता है।

धारा 1 के अंतर्गत इस अधिनियम को

लाने की पृष्ठभूमि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 15 एवं 21 तथा मानव अधिकारों से जुड़े मुद्दे एवं 1997 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी विशाखा गाइडलाइन है। इनका समेकन करने संवैधानिक मान्यता देने के लिए 22 अप्रैल 2013 को यह अधिनियम पारित किया गया जो कि 9 दिसंबर 2013 को संपूर्ण भारत में लागू हुआ। इस अधिनियम में कुल 8 अध्याय एवं 30 धाराएं हैं।

धारा 2 के अंतर्गत व्यथित महिला से तात्पर्य किसी भी आयु वर्ग की महिला जो कहीं नियोजित है या निजी या सरकारी संगठन में उसका लैंगिक उत्पीड़न हुआ है। घरेलू काम करने के लिए पारिश्रमिक प्राप्त करने वाली महिला जो सीधे तौर पर या किसी अभिकरण के माध्यम से स्थाई या अंशकालिक रूप से नियुक्त की गई हो नियोजक इसके अंतर्गत जहां महिला काम कर रही है चाहे वह सरकारी संगठन हो या निजी संगठन वहां विभाग, विभागाध्यक्ष नियोजक कहलाएगा। लैंगिक उत्पीड़न– इसके अंतर्गत यदि पुरुष सहकर्मी विभागाध्यक्ष या अन्य अधिकारी कर्मचारी कार्य स्थल पर किसी महिला से शारीरिक संपर्क करता है, उसे छूता है, लैंगिक अनुकूलता की मांग करता है, अश्लील साहित्य, चित्र, फिल्म दिखाता है। लैंगिक प्रकृति का आवांछनीय शारीरिक, मौखिक, अमौखिक आचरण करता है। ऐसे सभी कार्य लैंगिक उत्पीड़न माने जाएंगे।

कार्यस्थल – कोई भी सरकारी कार्यालय, निजी कार्यालय या संगठन, अस्पताल, विद्यालय, ट्रेनिंग सेंटर, होटल, खेलकूद से संबंधित प्रशिक्षण संस्थान, शैक्षणिक संस्थान, मनोरंजन संस्थान आदि।

धारा 3 लैंगिक उत्पीड़न का निवारण – इसके अंतर्गत किसी भी आयु वर्ग की महिला का किसी भी कार्य स्थल पर लैंगिक उत्पीड़न नहीं किया जा सकेगा और साथ ही उसके नियोजन पदोन्नति के संबंध में अहितकर व्यवहार को सीधे या घुमाफिराकर, धमकी देना, कार्य में हस्तक्षेप करना, प्रतिकूल वातावरण बनाना, स्वास्थ्य या सुरक्षा को प्रभावित करने की संभावना वाला व्यवहार करना उत्पीड़न में आएगा।

धारा 4 के अंतर्गत आंतरिक परिवाद समिति का गठन किसी कार्य स्थल का प्रतीक नियोजक जहां 10 या 10 से अधिक कर्मचारी काम कर रहे हैं वह लिखित आदेश द्वारा आंतरिक परिवाद समिति का गठन करेगा। इस समिति में

कुल 4 लोग होंगे जिसमें अध्यक्ष एवं तीन सदस्यों के अध्यक्ष कार्यस्थल पर नियोजित वरिष्ठ महिला होगी जिसे पीठासीन अधिकारी कहा जाएगा। 2 सदस्य कार्यस्थल पर नियोजित ऐसे कर्मचारी जो महिला हितों के लिए प्रतिबद्ध हों एवं विधि की सामान्य जानकारी रखते हों।

एक सदस्य किसी गैर सरकारी संगठन से जुड़ा हो जो महिला हितों के लिए प्रतिबद्ध हो एवं लैंगिक उत्पीड़न के मुद्दों से परिचित हो। धारा 5 के अंतर्गत जिला अधिकारी की अधिसूचना, समुचित सरकार इस अधिनियम के अधीन शक्तियों का प्रयोग करने या निर्वाहन करने के लिए किसी जिला मजिस्ट्रेट/अपर जिला मजिस्ट्रेट/कलेक्टर/उप कलेक्टर को प्रत्येक जिले के लिए जिला अधिकारी के रूप में अधिसूचित कर सकेगी।

धारा 6 स्थानीय परिवार समिति का गठन और उसकी अधिकारिता, धारा 7 स्थानीय परिवाद समिति की संरचना सेवाधृति एवं अन्य निबंधन तथा शर्तें, धारा 8 अनुदान और संपरीक्षा, धारा 9 लैंगिक उत्पीड़न का परिवाद, धारा 10 सुलह, धारा 11 परिवाद की जांच, धारा 12 जांच लंबित रहने के दौरान कार्रवाई, धारा 13 जांच रिपोर्ट, धारा 14 मिथ्या या परिवाद द्वेषपूर्ण और मिथ्या साक्ष्य के लिए दंड, धारा 15 प्रतिकर का अवधारण, धारा 16 परिवाद की अंतवस्तुओं की जांच, कार्यवाहियों के प्रकाशन या सार्वजनिक करने का प्रतिषेध, धारा 17 परिवाद की अंतर्वस्तुओं और जांच कार्यवाहियों के प्रकाशन या सार्वजनिक करने के लिए शक्ति, धारा 18 अपील, धारा 19 नियोजक के कर्तव्य, धारा 20 जिला अधिकारी के कर्तव्य और शक्तियां, धारा 21 समिति द्वारा वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत किया जाना, धारा 22 नियोजक द्वारा वार्षिक रिपोर्ट में जानकारी का सम्मिलित किया जाना, धारा 23 समुचित सरकार द्वारा कार्यान्वयन की मॉनिटरी और आंकड़े रखा जाना आदि।

धारा 24 समुचित सरकार द्वारा अधिनियम के प्रचार के लिए उपाय किया जाना, धारा 25 सूचना मांगने और अभिलेखों का निरीक्षण करने की शक्ति, धारा 26 अधिनियम के उप बंधों के अनानुपालन के लिए शक्ति, धारा 27 न्यायालयों द्वारा अपराध का संज्ञान, धारा 28 अधिनियम का किसी अन्य विधि के अल्पीकरण में न होना, धारा 29 समुचित सरकार के नियम बनाने की शक्ति, धारा 30 कठिनाइयों को दूर करने की शक्ति।

विचार समिति ने मंगलगिरी में 9000 वृक्षों को रक्षासूत्र बांधकर मनाया वृक्षाबंधन

मंगलगिरी में वृक्षाबंधन करते हुए समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य।

विचार समिति ने मंगलगिरी में चतुर्थ वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एवं रक्षाबंधन के पावन अवसर पर 9000 पेड़ों पर रक्षासूत्र बांधकर वृक्षाबंधन किया। समिति ने वृक्षारोपण अभियान की शुरूआत पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में 18 अगस्त 2018 को पहाड़ी क्षेत्र मंगलगिरी में 5000 पेड़ लगाकर की थी जिसमें वृक्षारोपण करने वाले वृक्ष मित्रों, परिवार के सदस्य एवं स्मृति स्वरूप स्वर्गवासी लोगों के नाम की स्मृति में पौधे रोपित किए गए थे, जिनके नाम की पट्टिका भी लगाईं गई थीं। प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर 18 अगस्त 2019 को 2500 पौधे लगाए गए थे। 26 जून 2021 को स्व. श्रीमति आशारानी मलैया की स्मृति में मियाबाकी पद्धति द्वारा 1500 पौधे लगाए थे। जहां अब 9000 से अधिक वृक्ष लहलहा रहे हैं जिनकी देखरेख समिति स्वयं करती है।

इस अवसर पर विनय मलैया ने कहा कि जैसा चार साल पहले हम लोगों ने जो जंगल की परिकल्पना की थी वह साकार हो रही है।

कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि धर्मशास्त्रों में पौधारोपण को पुण्य का कार्य कहा गया है। क्योंकि वृक्षों का हमारे जीवन में विशेष स्थान है। यह हमें अनाज जड़ी-बूटी, फल-फूल और ईंधन उपलब्ध करवाते है। सबसे बड़ी बात पेड़ प्राणियों को शुद्ध वायु प्रदान करते है, प्रदूषण को रोक पर्यावरण के संतुलन को बनाने में सहायक

पेड़ों को रक्षा सूत्र बांधते हुए प्रीति मलैया एवं मोहल्ला विकास टीम की महिलाएं।

होते है। इसीलिए भारत में आदि काल से लोग तुलसी, पीपल, केला, बरगद आदि की पूजा करते चले रहे है। आज विज्ञान भी सिद्ध कर चुका है की पेड़ पौधे हमारे लिए उपयोगी है इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण की ओर विशेष ध्यान देना चाहिए। उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने बताया कि विश्व में प्रत्येक वर्ष लगभग 1500 करोड़ पेड़ नष्ट हो रहे हैं क्योंकि हमने आधुनिक जीवन और विलासिता हेतु पेड़ों को काटना शुरू कर दिया। अत: आओ हम सब मिलकर पौधे लगाएं। मार्गदर्शक श्रेयांश जैन ने वृक्ष का महत्व बताते हुए कहा कि एक पेड़ की मदद से सालाना 3500 लीटर पानी की बरसात होती है एवं 3700 लीटर पानी सोखकर जमीन के अंदर पहुंचाता है, शहरों में एक पेड़ 521 लीटर पानी रोककर शहर को बाढ़ से बचाता है।

मार्गदर्शक अंशुल भार्गव ने बताया कि जनसहयोग से कई ऐसे महत्वपूर्ण सामाजिक

कोरोनाकाल ने पूरे विश्व को ऑक्सीजन का महत्व सिखाया : नितिन पटैरिया

कोरोनाकाल ने पूरे विश्व को ऑक्सीजन का महत्व सिखाया। अगर हम वास्तव में जीवित रहना चाहते हैं और अच्छे जीवनयापन करना चाहते हैं तो अधिक से अधिक पेड़ लगाए जाने चाहिए। ऑक्सीजन लेने और कार्बन डाइऑक्साइड को छोड़ने के अलावा पेड़ पर्यावरण से अन्य हानिकारक गैसों को अवशोषित करते हैं जिससे वायु शुद्ध और ताजी बनती है। जितने हरे-भरे पेड़ होंगे उतना अधिक ऑक्सीजन का उत्पादन होगा और अधिक विषैली गैसों को यह अवशोषित करेंगे।

कार्य संपन्न होते हैं। विचार समिति पर्यावरण के क्षेत्र में कई कार्य कर रही है।

भारतीय शैली कुश्ती संघ के कौशल सोनी

(पहलवान) ने कहा कि विचार समिति द्वारा सामाजिक हित में कार्य अनुकरणीय होते हैं जो जमीन से जुड़े हुए होते हैं। मैंने अभी तक पाया है कि समिति ने जो भी कार्य समाज के लिए लिया है वह पूर्ण किया है।

इस अवसर पर मार्गदर्शक राजेश सिंघई, मीडिया प्रभारी अखलेश समैया, मनोज राय, रजनी जैन विचार सहायक, जय कुमार जैन, मनीष मलैया, विनोद विश्वकर्मा, आकाश जैन हार्डवेयर, आशीष पाठक, रामकृष्ण मिश्रा, विनीता केशरवानी, आदेश जैन, विचार सहायक राहुल अहिरवार, माधव यादव, पूजा प्रजापति, पूजा लोधी, विनय चौरसिया, अरविंद अहिरवार, जवाहर दाऊ, श्रीकांत, भाग्यश्री राय आदि उपस्थित थीं।

इसके अलावा भारतीय शैली कुश्ती संघ, अपराजिता मददगार योद्धा ग्रुप, धर्म रक्षा संगठन, वैश्य महासम्मेलन महिला इकाई, सागर जैन संस्था, विचार मोहल्ला विकास योजना के सदस्य, विचार स्व सहायता समूह, पार्श्वनाथ शाखा, ज्ञान ज्योति शाखा, जैन मिलन आदि शाखाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे।

हम जो भी पौधा लगाएं उसकी परवरिश करना बहुत जरूरी है : कपिल मलैया

समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने वृक्षारोपण का महत्व बताते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण करने पर जोर रहता है, लेकिन लगाए गए पौधों की देखभाल बेहद जरूरी है। हर साल बड़ी संख्या में पौधे देखभाल के अभाव में दम तोड़ देते हैं।

पर्यावरण के प्रति चिंतित लोगों का मानना है कि हमें पेड़-पौधों की देखभाल के प्रति जागरूक होने की जरूरत है। अगर हम पांच पौधे लगाने जा रहे हैं तो भले ही दो लगा लें, लेकिन उनकी पूरी देखभाल की जिम्मेदारी अच्छे से निभाएं। उन्होंने एक रिपोर्ट के आधार पर बताया कि हरियाली कम होने से ग्लोबल वार्मिंग की समस्या बढ़ रही है। भूगर्भीय जल स्तर कम हो रहा है, हवा भी दूषित हो रही है।

अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए पेड़ों की अंधाधुंध कटाई की जा रहा है। अपने भविष्य के बारे में कोई चिंता नहीं है। पर्यावरण का बिगड़ता संतुलन खतरे की घंटी है। जागरूकता के लिए काफी अभियान चलाए जाते रहे हैं और चल भी रहे हैं। जागरूकता बढ़ी भी है, लेकिन अधिक पौधे लगाने के स्थान पर ये भी जरूरी है कि हम जो भी पौधा लगाएं उसकी परवरिश करें।

विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं विचार मोहल्ला परिवार के सदस्यों ने वृक्षाबंधन किया

आज़ादी का अमृत महोत्सव

हर घर तिरंगा

15 अगस्त को विचार समिति ने 1100 जगह किया झंडावंदन, समिति पिछले दो साल से स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर करती आ रही है झंडावंदन का आयोजन

विचार समिति प्रांगण में झंडावंदन करते हुए समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य।

विचार समिति ने स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर सागर में 1100 जगह झंडावंदन का आयोजन किया है। समिति यह आयोजन पिछले दो साल से करती आ रही है।

विचार समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि बहुत सारे लोगों के मन में दबी इच्छा रहती है, कभी हमें भी झंडावंदन करने का मौका मिले। यही मौका आपको मिले, इस सोच के साथ विचार समिति ने झंडावंदन करने का निर्णय दो साल पहले लिया था। यह झंडावंदन 15 अगस्त को सुबह 7 से 10 बजे किया गया है।

श्री मलैया ने बताया कि हमारा राष्ट्रीय ध्वज हमें एकता, शांति और इंसानियत की सीख देता है। इसके साथ ही यह सच्चाई और एकता के प्रति हमारे विश्वास को बढ़ाने में भी मदद करता है।

समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि समिति ने राष्ट्रीय ध्वज सभी को प्रदान किया था। अच्छी से अच्छी व्यवस्था बनाकर अपने मित्रों, परिवारजनों एवं अन्य साथियों के साथ आपने 15 अगस्त को नियत समय पर अपने स्थान पर उत्साहपूर्वक झंडा वंदन किया है। समिति के मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने सभी शहरवासियों से अपील की थी कि झंडावंदन के तुरंद बाद राष्ट्रगान गाया जाएगा। झंडे को अच्छे से बांधा जाना चाहिए जिससे वह नीचे नहीं झुके। झंडा वंदन कार्यक्रम को सुसज्जित सुव्यवस्थित एवं रचनात्मक तरीके से सम्पन्न करना है।

19 जनवरी 2020 को 17 किलोमीटर लंबी तिरंगा मानव श्रृंखला बनाई थी

शहर के लिए 19 जनवरी एक तारीख से बढ़कर हो गयी। जब विचार समिति एवं मेरी शान तिरंगा जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में सागर शहर की पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रभक्त नगर के रूप में अनूठी पहचान मिली। पूरे देश के लिए यह एक गौरव का मौका है की लोगों ने तिरंगे को थामकर राष्ट्र के सामने यह कीर्तिमान बनाया और यह विश्व रिकार्ड के रूप में आज वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड लंदन में दर्ज हो चुका है।

15 अगस्त 2020 को 74 स्थानों पर, 26 जनवरी 2021 को 105 जगहों पर महिलाओं ने किया था झंडावंदन

विचार समिति ने 26 जनवरी 2021 को नारी शक्ति को बढ़ावा देने के लिए 105 जगहों पर घर की महिलाओं से झंडा वंदन करवाया था। इसमें 105 जगहों जिसमें सागर नगर निगम के 48 वार्ड, उपनगरीय क्षेत्र मकरोनिया के सभी 18 वार्ड और केंट बोर्ड सदर के 7 वार्डों एवं अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान के प्रेरकों और सागर से लगे हुए तीन गांव नयाखेड़ा, शाहगढ़, मढ़देवरा, डुगासरा के घरों पर यह झंडा वंदन किया गया था। उस समय कार्यक्रम के संबंध में सचिव आकांक्षा मलैया ने बताया था कि संस्था का उद्देश्य नारी शक्ति को बढ़ावा देना है। सभी वार्डों में तिरंगा झंडा वंदन का यह आयोजन दूसरी बार हुआ है। इस कार्यक्रम में दिशा-निर्देश को लेकर संस्था के मुख्य संगठक नितिन पटैरिया का विशेष सहयोग रहा है। इससे पहले 15 अगस्त 2020 को स्वतंत्रता दिवस पर 74 स्थानों पर झंडा वंदन करा चुकी है द्य आगे इस आयोजन को और बड़े स्तर पर आयोजित किया जाएगा।

15 अगस्त 2021 को 1133 जगह झंडावंदन कराया था

15 अगस्त 2021 को विचार समिति ने स्वतंत्रता दिवस पर सागर में 1133 जगह झंडावंदन का आयोजन किया था। कार्यक्रम सुसज्जित, सुव्यवस्थित एवं रचनात्मक तरीके से सम्पन्न हुआ था। बच्चे, बुजुर्गों, महिलाओं व युवाओं ने बताया था कि उन्हें झंडावंदन करने का अवसर पहली बार मिला जिससे वे बहुत उत्साहित हैं।

26 जनवरी 2022 को 1100 जगह हुआ था झंडावंदन

26 जनवरी 2022 को विचार समिति ने गणतंत्र दिवस पर 1100 जगह झंडावंदन का आयोजन किया था। इसके लिए समिति ने झंडा, डोर, और अन्य सामग्री घर-घर पहुंचाई थी। झंडा किस तरह फहराना है और पूरा आयोजन कैसे होना है इस संबंध में वीडियो द्वारा जानकारी दी गई थी।

झलकियां

सुनीता जैन, ज्योति सराफ, नीपा दिवाकर

सूरज सोनी, सदर, सागर

संध्या अखिल खरे, सागर

अरूण दुबे, सागर

हार्दिका दुबे,बसंत विहार कांलोनी

नीतेश श्रीवास्तव, बसंत विहार कांलोनी

मधु स्थापक, सागर

विजयंत सिंघई, गेंडा जी कॉम्प्लेक्स

सरिता जैन, सागर

अनिमेष समैया, सागर

शरद मोहन दुबे, सागर

झलकियां

ममता अहिरवार, तुलसीनगर वार्ड

प्रभूदयाल पटैल जी, सदर

नई गल्ला मंडी

हरीओम जी, कुश्ती संघ

विकास सोनी, रविदास वार्ड

मनीषा नामदेव, नई गल्ला मंडी

मोहन, राहतगढ़

प्रीति केशरवानी, तिलकगंज

अभिषेक प्रजापति, सागर

कौशल सोनी, कुश्ती संघ

सपना पटैल, बाघराज वार्ड

उर्मिला वर्मा, गुरूगोविन्द वार्ड

विचार कोरोना वारियर्स सम्मानित

विचार कोरोना वारियर्स पूजा प्रजापति, पूजा लोधी एवं अरविंद अहिरवार को सम्मानित किया गया।

आजादी के 75वे स्वतंत्रता दिवस के अमृत महोत्सव के शुभअवसर पर अपराजिता मददगार योद्धा समाज कल्याण समिति द्वारा नगर निगम मार्केट में मेधावी छात्रों, रक्तवीरों, रक्त कर्मियों, सामाजिक संस्थाओं का स्वागत एवं सम्मान कर यह अमृत महोत्सव मनाया गया।

अपराजिता मददगार योद्धा समाज कल्याण समिति पिछले 3 वर्षो से समाज कल्याण के लिए कार्यरत है। कोरोना काल में समिति ने सामाजिक सहयोग से 700 परिवारों को किराना राशन घर-घर जाकर पहुंचाया था।

इस अवसर पर अपराजिता मददगार योद्धा संस्था के परम संरक्षक एवं विचार समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह संस्था अपने आप में बहुत उच्च कोटि की संस्था है जो समस्त जरूरतमंद लोगों को रक्त की आवश्यकता की पूर्ति 24 घंटे 365 दिन करती है। उन्होंने एक संतुलित जीवन के आयामों पर चर्चा करते हुए कहा आपको कुछ लोग ऐसे मिल जाएंगे जिनको सब कुछ मिला है जीवन में और सारी परिस्थितियां उनके अनुकूल है। उसके बाद भी लोग परेशान हैं। आपको कुछ लोग ऐसे भी मिल जाएंगे जो बिल्कुल सड़क पर रह रहे हैं, पर उनके चेहरे पर खुशी, मुस्कान है। उनके मन में कुछ करने का जज्बा है। 130 करोड़ वाली जनसंख्या वाले एक बड़े युवा वर्ग के साथ हम कुछ भी कर सकते हैं। यह हमारे लिए गौरव की बात है कि अब जो कार्य सरकार करने जा रही

विचार सदस्य अनुराग विश्वकर्मा, तुलसीराम दाऊ का सम्मान किया गया

समिति के मुख्य संगठक नितिन पटैरिया का सम्मान हुआ।

समिति के सदस्य देवेन्द्र वर्मा का सम्मान हुआ।

हैं वह हम पिछले वर्षों से करते आ रहे हैं। अच्छी सोच, प्रसन्नता के साथ हर परिस्थिति का सामना किया जा सकता है। परिस्थितियां बदलती रहती है। दूसरा संदेश यह देना चाहता हूं कि हमें हमेशा सकारात्मक रहना चाहिए। दूसरों की सेवा जितनी अधिक कर सकेंगे हमारे कार्य उतने जल्दी सरल हो सकेंगे। हंसते-मुस्कुराते हुए कार्य करने से कई तरह कि परेशनियों से बचा जा सकता है। हमें सामूहिक रूप से कार्य करना चाहिए। ऐसे कितने उदाहरण हैं हमारे सामने, कितनी सामाजिक संस्थाये है, एकजुटता के साथ कार्य को अधिक सरलता के साथ करती हैं। वहीं सामूहिकता का भाव हमारे प्रधानमंत्री जी पूरे देश में जगाने का काम कर रहे हैं। हमें रोजगार के लिए स्वावलंबी भारत बनाने की ओर अधिक से अधिक ध्यान देना चाहिए।

अपराजिता मददगार योद्धा समाज कल्याण समिति अध्यक्ष विजय जैन (सरकार) ने सभी को 75वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकानायें देते हुए कहा हम सभी को समाजसेवा के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए।

कार्यक्रम की अंतिम कड़ी में कोरोना काल में विचार समिति द्वारा उत्कृष्ट कार्य हेतु समिति मुख्य संगठक नितिन पटैरिया, सहायक अनुराग विशकर्मा, देवेन्द्र वर्मा, तुलसीराम दाऊ, पूजा लोधी, पूजा प्रजापति को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर अपराजिता मददगार योद्धा समाज कल्याण समिति उपाध्यक्ष दीपक जैन, कोषाध्यक्ष संदीप जैन, सचिव जुबेर रंगरेज, सहसचिव साहिल गुप्ता, राहुल जैन भदौरिया सहकोषाध्यक्ष, भुवनेश्वर गुप्ता, समीर जैन विचार समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, राहुल अहिरवार,विनय चौरसिया, भाग्यश्री राय, ज्योति दीदी के साथ विभिन्न संस्थाओं के सहकर्मी, नगरवासी उपस्थित थे।

समिति पर्यावरण के क्षेत्र में अतुलनीय कार्य कर रही है : डॉ. संजय तिवारी

शा.उ.कृ.मा.वि. सी.एम. राइस रहली स्कूल में वृक्षारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

विचार समिति ने वृक्षारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर के अंतर्गत जनसंत पूज्य 108 मुनि श्री विरंजनसागर महाराज जी के आर्शीवाद से शासकीय उत्कृष्ट कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सी.एम. राइस रहली स्कूल में वृक्षारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। ध्वनि प्रदूषण, वायु प्रदूषण एवं जल प्रदूषण मापक यंत्र से प्रयोगात्मक परीक्षण करवाकर पर्यावरण को स्वच्छ रखने की अपील परिसर में उपस्थित शिक्षकों, छात्रों से की। सभी छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ इस परीक्षण को समझा। मंच संचालन कर रहे डॉ. संजय तिवारी ने पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने पर जोर दिया। उन्होंने कहा की विचार समिति पर्यावरण के क्षेत्र में अतुलनीय कार्य कर रही है।

कार्यक्रम का मार्गदर्शन करते हुए डॉ. अर्चना जैन ने कहा कि वृक्षारोपण करना बड़ी बात नहीं है, लगाए गए पेड़ पौधों की देखभाल करना बड़ी बात है। उन्होंने स्कूल प्रबंधन की तारीफ करते हुए कहा मुझे अभी तक का सबसे हरा-भरा परिसर इस स्कूल में देखने को मिला। प्राचार्य विजय पचौरी ने कहा कि प्रकृति ने हमें कई ऐसे अमूल्य तत्व प्रदान किए हैं जो न केवल हमारे लिए लाभप्रद हैं। विचार समिति का यह बहुत ही सरहनीय कार्य है। विचार समिति की ओर से

सी.एम. राइस रहली स्कूल परिसर में पौधे रोपे गए।

शिक्षकों को गोबर से बने हुए दिये, धूपबत्ती व प्राकृतिक वस्तुओं से बने हुए उपहार भेंट किये गए। शाला परिसर में विचार समिति की ओर से दुर्लभ प्रजाति का कल्पवृक्ष सहित कई अन्य प्रजाति के 101 पौधे रोपित किये गए। कार्यक्रम संयोजन प्रकृति प्रेमी शैलेंद्र जैन एवं ऋची जैन ने किया। आभार ऋची जैन ने माना।

इस अवसर पर शिक्षक संतोष जैन, गोविंद ठाकुर (प्रकृति प्रेमी), दिलीप चौबे, सलामत खान, श्यामाचरण कुर्मी, विजय राजपूत, अनिल मिश्रा, दिनेश सेन, प्रवीण सिंघई, प्रकाश शर्मा, ज्योति शिपोलिया, राजेश्वरी राजपूत, नीरज नेमा, साक्षी तिवारी, लखन और समस्त शाला स्टाफ मौजूद रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्रो ने उपस्तिथि दर्ज कराकर कार्यक्रम को सफल बनाया। कवि अखिल जैन, राहुल अहिरवार, माधव यादव, विनय चौरसिया उपस्थित थे ।

पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रकृति प्रेमी का समिति द्वारा हुआ सम्मान

यह कार्यक्रम श्री दिगंबर जैन गौराबाई मंदिर कटरा सागर में, परम पूज्य मुनि श्री 108 जनसंत विरंजन सागर महाराज जी के सानिध्य में वृक्ष भेंट कर सम्मान किया गया

पत्रकार पंकज सोनी को पौधा भेंट किया गया।

विचार समिति की ओर से श्री दिगंबर जैन गौराबाई मंदिर कमेटी के सदस्यों पदाधिकारियों के द्वारा पर्यावरण के प्रति समर्पित पत्रकार पंकज सोनी, पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रकृति प्रेमी महेश तिवारी को पवित्र दिव्य कल्पवृक्ष व सिंदूर का पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम श्री दिगंबर जैन गौराबाई मंदिर कटरा सागर में, परम पूज्य मुनि श्री 108 जनसंत विरंजन सागर महाराज जी के सानिध्य में वृक्ष भेंट कर सम्मान किया गया।

पर्यावरण और चिकित्सकीय उपयोग के साथ ही प्राचीन भारतीय संस्कृति में यह मत है कि कल्पवृक्ष स्वर्गलोक का एक वृक्ष है। मान्यता यह भी है कि इस वृक्ष के नीचे बैठकर व्यक्ति जो भी इच्छा करता है, वह पूर्ण हो जाती है, क्योंकि इस वृक्ष में अपार सकारात्मक ऊर्जा होती है। दिसंबर से अप्रैल तक पतझड़ रहता है। पत्ते गिर जाते हैं। बाद में पत्ते पुनः उग आते हैं। पानी कम डालने से यह स्वस्थ रहता है। प्राचीन भारत में सिंदूर-वृक्ष से ही प्राप्त सिंदूर का इस्तेमाल होता रहा है। कालांतर में रसायन युक्त सिंदूर बाजार में आ गया । वृक्ष के माध्यम से ही प्राप्त यही असली सिंदूर है ।

पर्यावरणविद् पत्रकार पंकज सोनी एवं महेश तिवारी द्वारा पर्यावरण संरक्षण के प्रति लगन हर दिन-हर पल देखी जाती है। साइकिल चलाओ - पर्यावरण बचाओ अभियान हो, साफ-सफाई अभियान हो या वृक्षारोपण करना हो, हर जगह वे सक्रिय रूप से नजर आते हैं। सामाजिक सरोकारों के मुद्दे, जनहित के मुद्दे उजागर करते है।

प्रकृति प्रेमी महेश तिवारी का सम्मान किया गया।

'सुनो और सीखो' लर्निंग मॉडल पर आधारित कक्षायें पिछले एक माह से संचालित

शिक्षक काजल जैन

शिक्षक प्रियंका साहु, कविता यादव

लर्निंग इनिसेटिव फॉर इंडिया एवं विचार समिति के संयुक्त सहयोग से अलग-अलग स्थानों पर शिक्षकों द्वारा बच्चों को सीखने में मदद करने के प्रयास में "सुनो और सीखो" लर्निंग मॉडल आधारित कक्षायें पिछले एक माह से संचालित की जा रही हैं जिसमें मुख्य रूप से कहानियां, कवितायें, पाठ ऑडियो और वर्कशीट के रूप में तथा व्याहारिक ज्ञान इसकी मुख्य भूमिका में है। सभी बच्चों के ज्ञानात्मक स्तर की श्रेणी बनाकर उनके लिए पाठ्यक्रम आधारित पढ़ाना, साथ ही लिखना अक्षर ज्ञान के द्वारा बेसिक शिक्षा से जोड़ना जिसमें हिंदी एवं गणित के विषयों में उन्हें कुशल बनाना है। सिखाने की प्रारंभिक प्रक्रिया उन्हें अक्षर ज्ञान के साथ, चीजों को पहचानने, उन्हें व्यक्त करने के लिए तैयार करना। शिक्षक काजल अपना अनुभव बताते हुए कहती है हम जब बच्चों को शुरुवात में सीखने के लिए तैयार कर रहे थे। जिनमें छात्र अक्षत भी था जो बहुत ज्यादा अगर कहा जाये तो बहुत शरारती, पढ़ने में बिलकुल भी रूचि नहीं लेता था, उसका कारण जो भी रहा हो परन्तु जब वह खेलो और सीखो पाठ्यक्रम से जुड़ा, वह रूचि लेने लगा। वे कहतीं हैं कहानियों को उनके जीवन से जोड़ें तो वे काफी रोचक तरीकों से सीखते है। शिक्षक ज्योति जैन कहतीं है कि बच्चों के न सीखने का एक मूल कारण उनके मन में बैठा डर भी होता है क्योंकि बच्चे मूलतः खेलने के मूल भाव में होते हैं और इन विधियों माध्यम से उनसे हम सीधे जुड़ते है। शिक्षक कविता यादव कहतीं हैं कि बच्चों के शैक्षणिक स्तर में धीरे- धीरे सुधार आयेगा। अभी हम मूलतः बच्चों को शब्दार्थ के साथ-साथ उनको लिखना, चीजों को पहचानने पर ध्यान दें रहे हैं। शिक्षक प्रियंका साहू ने कहा कि पाठ्यक्रम के साथ-साथ उनके मन की जिज्ञासाओं को हल करना। जो बच्चे शुरुआती स्तर से ही स्कूल नहीं गए हैं उन्हें तैयार करना एवं लगातार जोड़े रहना भी सहज नहीं है।

शिक्षक ज्योति जैन

शिक्षक पूजा मिश्रा

गणेश चतुर्थी के अवसर पर गोबर से बनी भगवान गणेश की प्रतिमाएं भेंट की

मोहल्ला विकास योजना की महिलाओं को गणेश जी की प्रतिमा भेंट की।

विचार समिति ने गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर मोहल्ला विकास योजना की महिलाओं को गोबर से बनी भगवान गणेश की प्रतिमाएं भेंट की। समिति उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने बताया कि मिट्टी और गोबर में पंचतत्वों का वास माना जाता है और गोबर में मां लक्ष्मी का वास होता है। सचिव आकांक्षा मलैया ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर गोबर से निर्मित गणेश भगवान की स्थापना करने का आग्रह किया। पुष्पलता शुक्ला, अंजलि चौबे, आशा मेहरा, यशोदा मेहरा आदि को भगवान गणेश को गोबर से बनी प्रतिमाये भेंट की। इस अवसर पर समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत भी उपस्थित थीं।

समिति अपने से जुड़े परिवारों की हर जरूरत का रखती है ख्याल - दिहाड़ी मजदूरी करके परिवार का गुजारा करने वाले भैंसा नाका निवासी पुरषोत्तम अहिरवार की खुशियों को कूल्हे के इन्फेक्शन ने ऐसे लील लिया कि अब चारपाई पकड़ ली। समिति सदस्य राहुल अहिरवार व विनय चौरसिया ने पुरषोत्तम के घर जाकर हालचाल जाना। चलने फिरने में कठनाई न हो सहारे के लिए स्टिक (छड़ी) भेंट की।

समाजसेवकों को सम्मानित किया जाना आवश्यक है : परम पूज्य मुनि श्री 108 जनसंतविरंजन सागर महाराज जी

सेवा से जुड़े हुए लोगों के जीवन में प्रशस्ति पत्र स्मृति चिन्ह मायने नहीं रखते। वे स्वयं ईश्वर का अंश हैं और उन्हें संतों का आशीष फलीभूत होता है, लेकिन इनको सम्मानित किया जाना आवश्यक होता है ताकि दूसरों को प्रेरणा मिलती रहे। साथ ही यह लोग पीड़ित मानवता की सेवा के लिए ऐसे ही कार्य करते रहें ऐसा मेरा आशीर्वाद है। यह बात जैन संत विरंजन सागर जी महाराज ने कटरा गौराबाई दिगंबर जैन मंदिर में समाज सेवकों के सम्मान कार्यक्रम में कही। मंदिर प्रांगण में मुनि महाराज के सानिध्य में आचार देवनंदी के अवतरण दिवस के उपलक्ष्य में मंदिर कमेटी और गौरा बाई महिला मंडल द्वारा समाज सेवकों का सम्मान और सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया।

प्रीति मलैया का सम्मान किया गया।

विचार परिवार के सदस्यों ने रक्तदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले ऋषभ सिघई, डॉ ऋषभ जैन, रश्मि अजित नायक, महेश बाबू, प्रीति मलैया, डॉ अर्चना जैन, रजनीश जैन, संजय डबडेरा, सुशील जैन, सिद्धार्थ सिघई, दीप्ती जैन, कवि अखिल जैन आदि को समाज सेवा के क्षेत्र में कार्य करने के लिए सम्मानित किया गया ।

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर
सागर, सोमवार, 08 अगस्त, 2022
dainikbhaskar.com

मंडे गेस्ट

कपिल मलैया,
संस्थापक अध्यक्ष
विचार समिति

विचार समिति के संस्थापक अध्यक्ष व समाजसेवी कपिल मलैया ने भास्कर मंडे गेस्ट की 27वीं श्रृंखला में मोहल्ला विकास, स्वरोजगार, शिक्षा और जागरूकता से जुड़े सवालों पर अपनी बात रखी।

जागरुकता एवं आत्मविश्वास बढ़ाकर भी लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने का काम हो सकता है : कपिल मलैया

Q विचार समिति क्या है? इसकी परिकल्पना कहां से शुरू हुई?

- विचार समिति एक गैर सरकारी संगठन है, जो विगत 2003 से मध्यप्रदेश के सागर जिले के विकास के लिए कार्यरत है। समिति का उद्देश्य जागरूकता एवं आत्मविश्वास बढ़ाकर लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की कोशिश है।

Q मोहल्ला विकास समिति के माध्यम से आप क्या करना चाहते हैं?

- मोहल्ला विकास योजना जिसमें समिति द्वारा 12,500 पिछड़े घर चिह्नित कर उनमें निरंतर संपर्क किया जाता है। जहां प्रेम और विश्वास के माध्यम से लोगों में जागरूकता एवं आत्मविश्वास बढ़ाकर उनके जीवन का स्तर बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

Q लोगों को स्वरोजगार उपलब्ध कराने के लिए आप क्या कर रहे हैं?

- 2 अक्टूबर 2019 को समिति द्वारा निशुल्क हथकरघा प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की गई, जहां 11 हथकरघा मशीनों के माध्यम से अब तक 306 से अधिक महिलाएं खादी का कपड़ा बनाने का प्रशिक्षण ग्रहण कर रोजगार प्राप्त कर चुकी हैं। आजीविका का साधन बनाते हुए समिति गाय के गोबर से दीये बनाने का प्रोजेक्ट चला रही है। जिसमें अभी तक 1000 से अधिक महिलाओं को रोजगार दिया जा रहा है।

Q शिक्षा के क्षेत्र में समिति का क्या योगदान है?

- प्रोजेक्ट अनावरण के तहत कोरोना काल में जब स्कूल बंद रहे, तब समिति द्वारा अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान चलाया गया। तीन माह तक 50 प्रेरक शिक्षकों द्वारा 710 बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान की गई। प्रोजेक्ट अनावरण के तहत स्कूली बच्चों को 16 कैरियर क्षेत्रों में जागरूकता एवं व्यवहारिक ज्ञान प्रदान किया गया। ताकि उनके सोचने एवं निर्णय लेने की क्षमता बढ़ाई जा सके। 83000 स्कूली बालिकाओं को महिला सुरक्षा का प्रशिक्षण पुलिस विभाग के साथ मिलकर दिलाया गया। वर्तमान में लर्निंग इनिशिएटिव फॉर इंडिया (लीफी) तथा विचार समिति ने जिले में लीफी चेंजमेकर्स फैलोशिप प्रोजेक्ट शुरू किया है। इसके तहत शहर में 5 स्थानों पर कक्षाएं लगाई जा रही हैं। 25 जुलाई से शुरू हुई इन कक्षाओं में 5 शिक्षक 220 बच्चों को कार्यविधि के जरिए शिक्षित कर रहे हैं। ज्यादातर शिक्षक यूजी और पीजी के विद्यार्थी हैं। जिन्हें पढ़ाने में पारंगत करने के लिए संस्थाओं ने श्री आनंदपुर साहेब पंजाब से निशुल्क प्रशिक्षण दिलाया है। साथ ही कक्षाएं संचालित करने के एवज में प्रति शिक्षक मासिक 3500 रुपए मानदेय दे रही हैं। यह प्रोजेक्ट कक्षा 1 से 5वीं तक के शाला त्यागी बच्चों को शिक्षित करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। प्रोजेक्ट में वे बच्चे शामिल हैं, जो स्कूल में नामांकित नहीं या नामांकित हैं तो स्कूल नहीं जाते या उनके सीखने की गति धीमी है। लीफी सुनो और सीखो नाम के लर्निंग मॉडल पर कार्यरत है, जो बच्चों को नए विषय नए तरीकों से सीखने में मदद करता है।

Q आपने पर्यावरण संरक्षण के लिए क्या-क्या किया है?

- 18 अगस्त 2018 को शहर के 5,000 लोगों ने मिलकर मंगलगिरि तीर्थ क्षेत्र में 5,000 पेड़ लगाकर वृक्षारोपण की शुरूआत की, जहां अब 10,000 से अधिक वृक्ष लहलहा रहे हैं। 23 जून 2019 को समिति द्वारा शहर के 11,000 लोगों ने राजघाट प्रांगण में 1 लाख 11 हजार 111 सीडबॉल रोपित किए। इसके अलावा समिति अब तक 15 हजार से अधिक व्यक्तिगत स्तर पर पौधरोपण कर चुकी है। कोरोना काल में समिति द्वारा 48 मोहल्ला टीमों के 5000 परिवारों को बीज से पेड़ योजना के तहत नर्सरी बैगों का वितरण किया गया। जिसके तहत अभी तक समिति को 1500 से अधिक पौधे प्राप्त हो चुके हैं।

Q नेकी की दीवार के माध्यम से क्या कार्य किए गए हैं।

- 16 अक्टूबर 2016 में स्थापित होकर विगत 6 वर्षों से निरंतर संचालित है। आपके पास आवश्यकता से अधिक है तो यहां दे जाएं और जरूरत है तो यहां से ले जाएं। समिति द्वारा 24 घंटे और सातों दिन शव वाहन की सुविधा कई सालों तक दी गई है। 23 नवंबर 2006 में खोले गए जनसहयोग केंद्र से 40,000 से ज्यादा लोगों की मदद की गई।

Q समिति ने वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड (लंदन) से विश्व रिकार्ड का खिताब हासिल कैसे किया?

- 19 जनवरी 2020 में गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में 21 हजार लोगों ने 17 किलोमीटर लंबा तिरंगा थामकर भारत की सबसे लंबी तिरंगा मानव श्रृंखला बनाई एवं वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड (लंदन) से विश्व रिकार्ड का खिताब हासिल किया। प्रत्येक वर्ष गणतंत्र महोत्सव व स्वतंत्रता महोत्सव के माध्यम से सभी वर्ग के लोगों को एक मंच पर लाकर उनके बीच दूरियां कम करने में संस्था प्रयासरत है। 15 अगस्त 2020 को 74 स्थानों पर झंडावंदन हुआ। 26 जनवरी 2021 को 105 स्थानों पर झंडावंदन किया गया। 15 अगस्त 2021 को 1133 जगह झंडावंदन किया गया। 26 जनवरी 2022 को 1100 जगह झंडावंदन किया गया। 15 अगस्त 2022 को भी समिति 1100 जगह झंडावंदन करेगी।

Q कोरोना काल में समिति का क्या योगदान रहा?

- कोविड-19 मरीजों और उनके परिजनों को हो रही समस्याओं के निदान के लिए बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में समिति द्वारा हेल्प डेस्क शुरू की गई थी। यह हेल्प डेस्क छह माह निरंतर संचालित रही, जिसमें 1500 से अधिक मरीजों व उनके परिजनों की सहायता की गई। इसके साथ ही जरूरतमंदों को 1994 राशन किट, 11 हजार 70 लीटर सेनिटाइजर जल, 3140 मास्क एवं अपने घर की ओर पलायन कर रहे प्रवासी मजदूरों को लगातार 17 दिनों तक भोजन वितरित किया गया।

Q प्राकृतिक खेती एवं गौ सेवा के बारे में बताइए?

- 70 गिर गाय की गौशाला संचालित की जा रही है, जहां पर प्राकृतिक खेती के प्रयोग किए जाते हैं। साथ ही 70 एकड़ भूमि पर प्राकृतिक खेती की जा रही है। समिति द्वारा 9 गांवों के 209 किसानों का सर्वे कर एफपीओ बनाया गया था जिसके माध्यम से उन तक बेहतर सुविधाएं एवं जागरूकता पहुंचाई गई। इसके द्वारा 25 अन्य गांवों में और संपर्क किया गया।

Q आपने शराब बंदी अभियान भी चलाया था, कितना असर रहा?

- एक लाख लोगों ने मुख्यमंत्री को शराब बंदी के लिए पत्र लिखे। 15 मिनट पूरे शहर में लाइट बंद रखकर शराब बंदी की मांग रखी। इसके अलावा जिले भर की दो लाख लड़कियों को माहवारी-स्वच्छता की जानकारी दी जा चुकी है और अभियान जारी है।

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर सागर 15-08-2022

विचार समिति ने मंगलगिरी में 9000 पेड़ों पर रक्षासूत्र बांधकर मनाया वृक्षाबंधन

विचार समिति ने मंगलगिरी में चतुर्थ वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एवं रक्षाबंधन के पावन अवसर पर 9000 पेड़ों पर रक्षासूत्र बांधकर वृक्षाबंधन किया। समिति ने वृक्षारोपण अभियान की शुरूआत पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में 18 अगस्त 2018 को पहाड़ी क्षेत्र मंगलगिरी में 5000 पेड़ लगाकर की थी जिसमें वृक्षारोपण करने वाले वृक्ष मित्रों, परिवार के सदस्य एवं स्मृति स्वरूप स्वर्गवासी लोगों के नाम की स्मृति में पौधे रोपित किए गए थे, जिनके नाम की पट्टिका भी लगाई गई थीं। प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर 18 अगस्त 2019 को 2500 पौधे लगाए गए थे। 26 जून 2021 को स्व. श्रीमति आशारानी मलैया की स्मृति में मियावाकी पद्धति द्वारा 1500 पौधे लगाए थे। जहां अब 9000 से अधिक वृक्ष लहलहा रहे हैं जिनकी देखरेख समिति स्वयं करती है।

इस अवसर पर विनय मलैया ने कहा कि जैसा चार साल पहले हम लोगों ने जो जंगल की परिकल्पना की थी वह साकार हो रही है।

इस अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि धर्मशास्त्रों में पौधारोपण को पुण्य का कार्य कहा गया है। क्योंकि वृक्षों का हमारे जीवन में विशेष स्थान है। यह हमें अनाज जड़ी-बूटी, फल-फूल और ईंधन उपलब्ध करवाते है। सबसे बड़ी बात पेड़ प्राणियों को शुद्ध वायु प्रदान करते है, प्रदूषण को रोक पर्यावरण के संतुलन को बनाने में सहायक होते है। इसीलिए भारत में आदि काल से लोग तुलसी, पीपल, केला, बरगद आदि की पूजा करते चले रहे है। आज विज्ञान भी सिद्ध कर चुका है की पेड़ पौधे हमारे लिए उपयोगी है इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण की ओर विशेष ध्यान देना चाहिए। उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने बताया कि विश्व में प्रत्येक वर्ष लगभग 1500 करोड़ पेड़ नष्ट हो रहे हैं क्योंकि हमने आधुनिक जीवन और विलासिता हेतु पेड़ों को काटना शुरू कर दिया। अतः आओ हम सब मिलकर पौधे लगाएं।

मंगलगिरी में वृक्षाबंधन का आयोजन किया गया, वृक्षाबंधन करते हुए विभिन्न शाखाओं के पदाधिकारी।

वृक्षाबंधन करती हुईं प्रीति मलैया।

मार्गदर्शक श्रेयांश जैन ने वृक्ष का महत्व बताते हुए कहा कि एक पेड़ की मदद से सालाना 3500 लीटर पानी की बरसात होती है एवं 3700 लीटर पानी सोखकर जमीन के अंदर पहुंचाता है, शहरों में एक पेड़ 521 लीटर पानी रोककर शहर को बाढ़ से बचाता है।

मार्गदर्शक अंशुल भार्गव ने बताया कि जनसहयोग से कई ऐसे महत्वपूर्ण सामाजिक कार्य संपन्न होते हैं। विचार समिति पर्यावरण के क्षेत्र में कई कार्य कर रही है।

भारतीय शैली कुश्ती संघ के कौशल सोनी (पहलवान) ने कहा कि विचार समिति द्वारा सामाजिक हित में कार्य अनुकरणीय होते हैं जो जमीन से जुड़े हुए होते हैं। मैंने अभी तक पाया है कि समिति ने जो भी कार्य समाज के लिए लिया है वह पूर्ण किया है।

इस अवसर पर मार्गदर्शक राजेश सिंघई, मीडिया प्रभारी अखलेश समैया, मनोज राय, रजनी जैन विचार सहायक, जय कुमार जैन, मनीष मलैया, विनोद विश्वकर्मा, आकाश जैन हार्डवेयर, आशीष पाठक, रामकृष्ण मिश्रा, विनीता केशरवानी, आदेश जैन, विचार सहायक राहुल अहिरवार, माधव यादव, पूजा प्रजापति, पूजा लोधी, विनय चौरसिया, अरविंद अहिरवार, जवाहर दाऊ, श्रीकांत, भाग्यश्री राय आदि उपस्थित थीं।

इसके अलावा भारतीय शैली कुश्ती संघ, अपराजिता मददगार योद्धा ग्रुप, धर्म रक्षा संगठन, वैश्य महासम्मेलन महिला इकाई, सागर जैन संस्था, विचार मोहल्ला विकास योजना के सदस्य, विचार स्व सहायता समूह, पार्श्वनाथ शाखा, ज्ञान ज्योति शाखा, जैन मिलन आदि शाखाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे।

हम जो भी पौधा लगाएं उसकी परवरिश करना बहुत जरूरी है : कपिल मलैया

समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने वृक्षारोपण का महत्व बताते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक

से अधिक पौधारोपण करने पर जोर रहता है, लेकिन लगाए गए पौधों की देखभाल बेहद जरूरी है। हर साल बड़ी संख्या में पौधे देखभाल के अभाव में दम तोड़ देते हैं। पर्यावरण के प्रति चिंतित लोगों का मानना है कि हमें पेड़-पौधों की देखभाल के प्रति जागरूक होने की जरूरत है। अगर हम पांच पौधे लगाने जा रहे हैं तो भले ही दो लगा लें, लेकिन उनकी पूरी देखभाल की जिम्मेदारी अच्छे से निभाएं। उन्होंने एक रिपोर्ट के आधार पर बताया कि हरियाली कम होने से ग्लोबल वार्मिंग की समस्या बढ़ रही है। भूगर्भीय जल स्तर कम हो रहा है, हवा भी दूषित हो रही है। अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए पेड़ों का अंधाधुंध कटाई की जा रहा है। अपने भविष्य के बारे में कोई चिंता नहीं है। पर्यावरण का बिगड़ता संतुलन खतरे की घंटी है। जागरूकता के लिए काफी अभियान चलाए जाते रहे हैं और चल भी रहे हैं। जागरूकता बढ़ी भी है, लेकिन अधिक पौधे लगाने के स्थान पर ये भी जरूरी है कि हम जो भी पौधा लगाएं उसकी परवरिश करें।

कोरोनाकाल ने पूरे विश्व को ऑक्सीजन का महत्व सिखाया : नितिन पटैरिया

कोरोनाकाल ने पूरे विश्व को ऑक्सीजन का महत्व सिखाया। अगर हम वास्तव में जीवित रहना चाहते हैं और अच्छे जीवनयापन करना चाहते हैं तो अधिक से अधिक पेड़ लगाए जाने चाहिए। ऑक्सीजन लेने और कार्बन डाइऑक्साइड को छोड़ने के अलावा पेड़ पर्यावरण से अन्य हानिकारक गैसों को अवशोषित करते हैं जिससे वायु शुद्ध और ताजी बनती है। जितने हरे-भरे पेड़ होंगे उतना अधिक ऑक्सीजन का उत्पादन होगा और अधिक विषैली गैसों को यह अवशोषित करेंगे।

- इम्पैक्ट फीचर

आचरण सागर, सोमवार, 15 अगस्त 2022 2

विचार समिति ने मंगलगिरी में ९००० पेड़ों पर रक्षासूत्र बांधकर मनाया वृक्षाबंधन

सागर, आचरण संवाददाता

विचार समिति ने मंगलगिरी में चतुर्थ वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एवं रक्षाबंधन के पावन पर्व पर 9000 पेड़ों पर रक्षासूत्र बांधकर वृक्षाबंधन किया। समिति ने वृक्षारोपण अभियान की शुरूआत पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में 18 अगस्त 2018 को पहाड़ी क्षेत्र मंगलगिरी में 5000 पेड़ लगाकर की थी जिसमें वृक्षारोपण करने वाले वृक्ष मित्रों, परिवार के सदस्य एवं स्मृति स्वरूप स्वर्गवासी लोगों के नाम की स्मृति में पौधे रोपित किए गए थे, जिनके नाम की पट्टिका भी लगाई गई थी।

प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर 18 अगस्त 2019 को 2500 पौधे लगाए गए थे। 26 जून 2021 को स्व. श्रीमति आशारानी मलैया की स्मृति में मियाबाकी पद्धति द्वारा 1500 पौधे लगाए थे। जहां अब 9000 से अधिक वृक्ष लहलहा रहे हैं जिनकी देखरेख समिति स्वयं करती है।

हम जो भी पौधा लगाएं उसकी परवरिश करना बहुत जरूरी है : कपिल मलैया

समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने वृक्षारोपण का महत्व बताते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण करने पर जोर रहता है, लेकिन लगाए गए पौधों की देखभाल बेहद जरूरी है। हर साल बड़ी संख्या

में पौधे देखभाल के अभाव में दम तोड़ देते हैं। पर्यावरण के प्रति चिंतित लोगों का मानना है कि हमें पेड़-पौधों की देखभाल के प्रति जागरूक होने की जरूरत है। इस अवसर पर विनय मलैया ने सुनीता अरिहंत ने उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया, नितिन पटैरिया आदि ने भी संबोधित किया।

भारतीय शैली कुश्ती संघ के कौशल सोनी (पहलवान) ने कहा कि विचार समिति द्वारा सामाजिक हित में कार्य अनुकरणीय होते हैं जो जमीन से जुड़े हुए होते हैं। मैंने अभी तक पाया है कि समिति ने जो भी कार्य समाज के लिए लिया है वह पूर्ण किया है। इस अवसर पर विनय मलैया, मार्गदर्शक राजेश सिंघई, मीडिया प्रभारी अखलेश समैया, मनोज राय, रजनी जैन विचार सहायक, जय कुमार जैन, मनीष मलैया, विनोद विश्वकर्मा, आकाश जैन हार्डवेयर, आशीष पाठक, रामकृष्ण मिश्रा, विनीता केशरवानी, आदेश जैन, विचार सहायक राहुल अहिरवार, माधव यादव, पूजा प्रजापति, पूजा लोधी, विनय चौरसिया, अरविंद अहिरवार, जवाहर दाऊ, श्रीकांत, भाग्यश्री राय आदि उपस्थित थीं। इसके अलावा भारतीय शैली कुश्ती संघ, अपराजिता मददगार योद्धा ग्रुप, धर्म रक्षा संगठन, वैश्य महासम्मेलन महिला इकाई, सागर जैन संस्था, विचार मोहल्ला विकास योजना के सदस्य, विचार स्व सहायता समूह, पार्श्वनाथ शाखा, ज्ञान ज्योति शाखा, जैन मिलन आदि शाखाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे।

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर सागर 15-08-2022

विचार समिति अंतर्गत मोहल्ला विकास की टीम को झंडा वितरित करते हुए समिति के सदस्य।

75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

हर घर तिरंगा

15 अगस्त को विचार समिति 1100 जगह करेगी झंडावंदन समिति पिछले दो साल से स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर करती आ रही है झंडावंदन का आयोजन

विचार समिति स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर सागर में 1100 जगह झंडावंदन का आयोजन कर रही है। समिति यह आयोजन पिछले दो साल से करती आ रही है।

विचार संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि बहुत सारे लोगों के मन में दबी इच्छा रहती है, कभी हमको भी झंडावंदन करने का मौका मिले। यही मौका आपको मिले, इस सोच के साथ विचार समिति ने झंडावंदन करने का निर्णय दो साल पहले लिया था। यह झंडावंदन 15 अगस्त को सुबह 7 से 10 बजे के बीच में होना है।

श्री मलैया ने बताया कि हमारा राष्ट्रीय ध्वज हमें एकता, शांति और इंसानियत की सीख देता है। इसके साथ ही यह सच्चाई और एकता के प्रति हमारे विश्वास को बढ़ाने में भी मदद करता है। समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि समिति राष्ट्रीय ध्वज आपको प्रदान करेगी । अच्छी से अच्छी व्यवस्था बनाकर अपने मित्रों, परिवारजनों एवं अन्य साथियों के साथ आपको 15 अगस्त को नियत समय पर अपने स्थान पर उत्साहपूर्वक झंडा वंदन करना है।

समिति के मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने सभी शहरवासियों से अपील की है कि झंडावंदन के तुरंत बाद राष्ट्रगान गाया जाएगा। झंडे को अच्छे से बांधा जाना चाहिए जिससे वह नीचे नहीं झुके। झंडा वंदन कार्यक्रम को सुसज्जित सुव्यवस्थित एवं रचनात्मक तरीके से सम्पन्न करना है।

19 जनवरी 2020 को 17 किलोमीटर लंबी तिरंगा मानव श्रृंखला बनाई थी

शहर के लिए 19 जनवरी एक तारीख से बढ़कर हो गयी। जब विचार संस्था एवं मेरी शान तिरंगा जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में सागर शहर की पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रभक्त नगर के रूप में अनूठी पहचान मिली। पूरे देश के लिए यह एक गौरव का मौका है की लोगों ने तिरंगे को थामकर राष्ट्र के सामने यह कीर्तिमान बनाया और यह विश्व रिकार्ड के रूप में आज वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड लंदन में दर्ज हो चुका है।

15 अगस्त 2020 को 74 स्थानों पर, 26 जनवरी 2021 को 105 जगहों पर महिलाओं ने किया था झंडावंदन

विचार समिति ने 26 जनवरी 2021 को नारी शक्ति को बढ़ावा देने के लिए 105 जगहों पर घर की महिलाओं से झंडा वंदन करवाया था। इसमें 105 जगहों जिसमें सागर नगर निगम के 48 वार्ड, उपनगरीय क्षेत्र मकरोनिया के सभी 18 वार्ड और कैंट बोर्ड सदर के 7 वार्डों एवं अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान के प्रेरकों और सागर से लगे हुए तीन गांव नयाखेड़ा, शाहगढ़, मढ़देवरा, डुगासरा के घरों पर यह झंडा वंदन किया गया था। उस समय कार्यक्रम के संबंध में सचिव आकांक्षा मलैया ने बताया था कि संस्था का उद्देश्य नारी शक्ति को बढ़ावा देना है। सभी वार्डों में तिरंगा झंडा वंदन का यह आयोजन दूसरी बार हुआ है। इस कार्यक्रम में दिशा-निर्देश को लेकर संस्था के मुख्य संगठक नितिन पटैरिया का विशेष सहयोग रहा है। इससे पहले 15 अगस्त 2020 को स्वतंत्रता दिवस पर 74 स्थानों पर झंडा वंदन करा चुकी है । आगे इस आयोजन को और बड़े स्तर पर आयोजित किया जाएगा।

15 अगस्त 2021 को 1133 जगह झंडावंदन कराया था

15 अगस्त 2021 को विचार समिति ने स्वतंत्रता दिवस पर सागर में 1133 जगह झंडावंदन का आयोजन किया था। कार्यक्रम सुसज्जित, सुव्यवस्थित एवं रचनात्मक तरीके से सम्पन्न हुआ था। बच्चे, बुजुर्गों, महिलाओं व युवाओं ने बताया था कि उन्हें झंडावंदन करने का मौका पहली बार मिला जिससे वे बहुत उत्साहित हैं।

26 जनवरी 2022 को 1100 जगह हुआ था झंडावंदन

26 जनवरी 2022 को विचार समिति ने गणतंत्र दिवस पर 1100 जगह झंडावंदन का आयोजन किया था। इसके लिए समिति ने झंडा, डोर, और अन्य सामग्री घर-घर पहुंचाई थी। झंडा किस तरह फहराना है और पूरा आयोजन कैसे होना है इस संबंध में वीडियो के जरिये लोगों को जानकारी दी गई थी। साथ ही सभी के वाट्सएप पर पूरी सूचना उपलब्ध कराई गई थी।

दैनिक भास्कर सागर 29-08-2022

समाजसेवी संस्था विचार समिति के प्रांगण में रोपे गए थे 31 कोरोना वारियर्स के सम्मान में 5-7 से फीट के पौधे

दो साल पहले कोरोना वारियर्स के सम्मान में रोपे थे 31 पौधे, ऐसी देखभाल कि अब 20 से 25 फीट के हो गए

संडे पॉजिटिव

भास्कर संवाददाता | सागर

कोरोना की पहली लहर के दौरान जब कोई घर से बाहर निकलने के लिए तैयार नहीं था उस दौरान जरूरतमंद लोगों को सेवाएं देने वाले 31 कोरोना वारियर्स के सम्मान में विचार समिति प्रांगण में 31 पौधे रोपे गए थे। रोपते समय इन छायादार पौधों की ऊंचाई करीब 5 से 7 फीट थी। दो साल तक इन पौधों की समिति के कार्यकर्ताओं द्वारा इतनी अच्छी देखभाल की गई कि यह 20 से 25 फीट ऊंचे हो गए हैं। समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि सम्मान के अलावा इन पौधों से लगी दीवार पर उन वारियर्स के नाम लिखे गए हैं, जिन्होंने कोरोना काल में समिति के जरिए हजारों लोगों की मदद की थी। पौधों की देखभाल पर विशेष ध्यान इसलिए दिया गया, क्योंकि यह संकट के दौरान बिना डरे मदद करने वाले योद्धाओं के सम्मान के रूप में लगाए गए थे। समिति के इन कार्यकर्ताओं ने न केवल बस्तियों में जाकर घर-घर अनाज, भोजन पहुंचाया। बल्कि व्यवस्था संभाल रहे सुरक्षा, पुलिसकर्मियों को भी समय-समय पर सैनिटाइजर एवं अन्य सुरक्षा सामग्री की आपूर्ति कर उनका हौसला बढ़ाया था।

सागर | अच्छी देखभाल के बाद अब यह पौधे 20 से 25 फीट ऊंचे हो गए हैं। दूसरे चित्र में इस तरह रोपे गए थे पौधे।

- **इन कोरोना वारियर्स के सम्मान में लगाए गए थे पौधे :** राजेश सिंघई, सुनीता अरिहंत, नितिन पटैरिया, अखिलेश समैया, सूरज सोनी, सौरभ रांधेलिया, रामकृष्ण मिश्रा, कार्तिक भाई पटेल, धवल कुशवाहा, अनुराग विश्वकर्मा, तुलसीराम, देवेन्द्र वर्मा, सुनील जादूगर, राहुल अहिरवार, शिखा चौरसिया, पूजा लोधी, पूजा प्रजापति, विनोद विश्वकर्मा, सुनील साहू, साहब सिंह, नीलेश पटेल, अरविंद अहिरवार, राम कुमार बाल्मिकी, बद्री सेन, इंदरसिंह, जवाहर लाल अहिरवार, प्रदीप आठिया, रामकुमार रैकवार, शरद मोहन दुबे, संजेश सिंह और आशीष सिंह।

॥विचार समिति॥
(स्थापना वर्ष 2003)

निवेदन

आपसे निवेदन है कि अधिक से अधिक मात्रा में दान देकर इस मुहिम को आगे बढ़ाने में सहयोग करें।

दान राशि बैंक खाते में डालने हेतु जानकारी इस प्रकार है।

Bank a/c name- VicharSamiti
Bank- State Bank of India
Account No.- 37941791894
IFSC code- SBIN0000475
Paytm/ Phonepe/ Googlepay/ upi
आदि दान करने के लिए नीचे दिए गए
QR कोड को स्कैन करें.

- संपर्क -

Website : vicharsamiti.in
Facebook : Vichar Samiti
Youtube : Vichar Samachar
Ph. No. : 9575737475, 9009780042, 07582-224488
Address : 258/1, Malgodam Road, Tilakganj Ward, Behind Adinath Cars Pvt. Ltd, Sagar (M.P.) 470002